सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-4 • 05 AUGUST TO 11 AUGUST 2022 • VOLUME-03 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

"यदि आप कोशिश करते हो और कुछ भी हासिल नहीं होता तो उसमे आपकी कोई गलती नही है। लेकिन यदि आप जरा भी कोशिश नही करते और हार जाते है तो उसमे पूरी आप ही की गलती है।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa

•IELTS •STUDY ABROAD

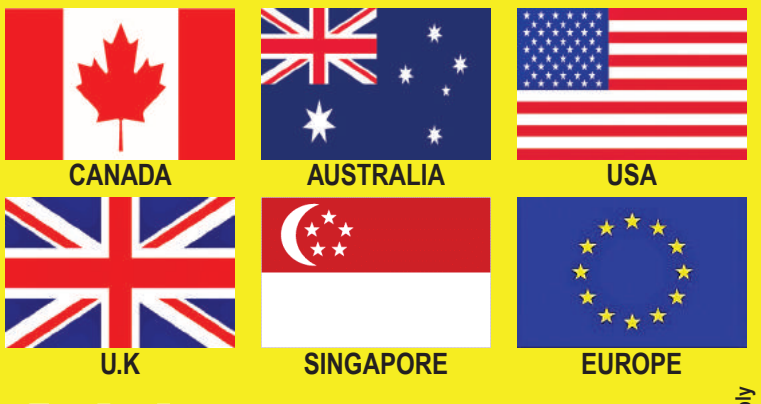

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

खड़गे से ईडी ने लगभग 7 घंटे तक की पूछताछ

नई दिल्ली : यंग इंडिया के एक मामले में कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे गुरूवार को प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पूछताछ के लिए पेश हुए। प्रवर्तन निदेशालय की ओर से उन से लगभग 7 घंटे तक पूछताछ की गई। इन सबके बीच कांग्रेस का सरकार के खिलाफ हल्ला बोल जारी है। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने कहा कि हमारे नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को प्रवर्तन निदेशालय ने संसद सत्र के दौरान ही तलब किया था। उनसे लगातार पूछताछ की गई। यह पूरी तरह से खेद जनक है। इसके आगे जयराम रमेश ने कहा कि आज मल्लिकार्जुन खड़गे की ओर से विपक्ष की साझा उपराष्ट्रपति उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा के लिए रात्रि भोज का आयोजन किया गया था। इसमें सभी विपक्षी पार्टी के सदस्यों को आमंत्रण भी गया था, लेकिन आज ही के दिन यह पूछताछ की गई।

इसके साथ ही जयराम रमेश ने कहा कि यह सरासर उत्पीड़न है। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी और खाद्य पदार्थों पर जीएसटी के खिलाफ 5 अगस्त को सभी राज्यों में कांग्रेस की विरोध रैली से पहले मोदी सरकार ने यह ड्रामा रचा है। सोनिया गांधी के आवास और एआईसीसी के मुख्यालय के बाहर कई सुरक्षा बलों को तैनात किया गया था।

इससे पहले जयराम रमेश ने ट्वीट कर कहा था कि जब संसद का सत्र चल रहा है तब ईडी ने राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को समन भेजा। वे दोपहर लगभग 12:20 बजे संसद से निकले और ईडी के समक्ष पेश हुए। वहीं, बृहस्पतिवार सुबह खड़गे ने राज्यसभा में कहा, 'सदन की बैठक हो रही है। मैं भी इस सदन का एक सदस्य हूं और विपक्ष का नेता भी हूं। लेकिन मुझे इस वक्त ईडी का समन आता है कि जल्दी आइए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि ईडी और जांच एजेंसी द्वारा नेता प्रतिपक्ष को संसद सत्र के दौरान बुलाया जाए, इसका कोई उदाहरण लोकतंत्र के इतिहास में नजर नहीं आता। अगर मल्लिकार्जुन खड़गे को बुलाना ही था, सुबह 11 बजे के पहले बुला लेते या शाम पांच बजे के बाद बुला लेते। उनका कहना था कि सदन चल रहा है तो खड़गे को ईडी बयान देने के लिए बुला रहा है। लोकतंत्र का इससे बड़ा मजाक न हमने देखा है, न सुना है।

जेई मनरेगा 25,000 रुपए रिश्वत लेते काबू

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विजीलैंस ब्यूरो की तरफ से चलाई मुहिम के दौरान गुरूवार को बी.डी.पी.ओ दफ़्तर जलालाबाद, फाजिल्का में तैनात सुवर्षा, जूनियर इंजीनियर, महात्मा गांधी नेशनल ग्रामीण रोज़गार गारंटी कानून (मनरेगा) को 25,000 रुपए की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों को काबू किया है। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि दोषी जूनियर इंजीनियर (जे.ई.) मनरेगा को सुखजिन्दर सिंह निवासी गाँव चक्क रोड़ांवाली (तम्बूवाला) जलालाबाद की शिकायत पर गिरफ्तार किया गया है। इस सम्बन्धी मुकदमा विजीलैंस ब्यूरो के थाना फ़िरोज़पुर में दर्ज कर लिया है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम वेल्स को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची

बर्मिंघम : भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। गुरुवार को ग्रुप बी के एक मुकाबले में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने वेल्स को 4-1 से हरा दिया। इसके साथ ही भारतीय पुरुष हॉकी टीम सेमीफाइनल में पहुंच गई है जहां उसका सामना न्यूजीलैंड से होगा। इस ग्रुप में भारत पहले स्थान पर है। टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने आखिरी लीग मैच में आक्रामक शुरूआत की और दूसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने दो पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके हाफ टाइम तक 2.0 की बढत दिला दी। हरमनप्रीत और गुरजंत सिंह ने आखिरी दो क्वार्टर में एक एक गोल करके बढत 4.0 की कर दी। वेल्स के लिये एकमात्र गोल जेरेथ फर्लोंग ने चौथे क्वार्टर में किया। सेमीफाइनल मुकाबले शनिवार छह अगस्त को खेले जायेंगे।

इससे पहले भारत ने कनाडा को हराकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी।हरमनप्रीत सिंह और आकाशदीप सिंह के दो दो गोल की मदद से भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरूष हॉकी स्पर्धा में कनाडा को 8.0 से रौंदकर पूल बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया था।

31 दिसंबर तक के बकाया बिजली बिल माफ

जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब सरकार की तरफ से घरेलू श्रेणी के सभी उपभोक्ताओं के 31 दिसंबर, 2021 तक के

बकाया खड़े बिजली बिल माफ कर दिए हैं। पंजाब स्टेट पावर कोरपोरेशन लिमटिड द्वारा नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने बताया कि जिनकी तरफ से 30 जून, 2022 तक, 31 दिसंबर, 2021 तक के बकाया खड़े बिजली बिलों की अदायगी नहीं की गई है, पंजाब सरकार द्वारा उनके बिल माफ कर दिए गए हैं।

सीएम ने लिया स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का जायज़ा

• **जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़**

कोविड-19 के मामलों में हाल ही में हुए वृद्धि के मद्देनज़र पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने आज कोविड महामारी की किसी भी नयी लहर का मुकाबला करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों का जायज़ा लिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने विभाग को महामारी की रोकथाम के लिए अपेक्षित एहतियात बरतने संबंधी लोगों को सचेत करने के लिए तुरंत विस्तृत दिशा-निर्देश जारी करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड-19 महामारी के प्रभाव से बचाने को यकीनी बनाना समय की ज़रूरत है। उन्होंने आगे कहा कि विभाग को किसी भी तरह की स्थिति से निपटने के लिए पुख़्ता तैयारी कर लेनी चाहिए। मीटिंग के दौरान भगवंत मान ने इस महामारी के साथ कारगर ढंग से निपटने के लिए विभाग की तैयारियों की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने मलेरिया और डेंगू जैसी बरसाती मौसम वाली बीमारियों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से किये गए प्रबंधों का जायज़ा भी लिया।

उन्होंने विभाग को इन बीमारियों से निपटने के लिए उचित मात्रा में दवाएँ और अन्य साजो-सामान के व्यवस्था यकीनी बनाने के लिए कहा। भगवंत मान ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए अन्य विभागों के साथ भी तालमेल करना चाहिए। बड़े स्तर पर जागरूकता मुहिम की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुये मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड, डेंगू और मलेरिया से बचाव संबंधी लोगों को अवगत करवाने के लिए यह मुहिम बहुत मददगार होगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए अधिक से अधिक एहतियात बरतने के लिए जागरूक करने के लिए यह समय की ज़रूरत है।

देश के कई राज्यों में लागू हो चुकी है नई शिक्षा नीति 2020...

क्या नई शिक्षा नीति बच्चों पर होमवर्क का बोझ कम कर पाएगी

नई शिक्षा नीति के कुछ प्रमुख सिद्धांत

•शिक्षा को लचीला बनाना • सभी बच्चों की क्षमता की पहचान एवं क्षमता का विकास करना। •साक्षरता और संख्यामकता के ज्ञान को बच्चों के तहत विकसित करना •बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को विकसित करना •सार्वजनिक शिक्षा प्रणाली में निवेश करना • भारतीय संस्कृति से बच्चों को जोड़ना •उत्कृष्ट स्तर पर शोध करना • शिक्षा नीतियों में पारदर्शिता लाना • बच्चों को सुशासन का ज्ञान प्रदान करना एवं उनका सशक्तिकरण करना • तकनीकी यथासंभव उपयोग पर अधिक जोर देना • अनेक प्रकार की भाषाएं सिखाना • बच्चों की सोच को रचनात्मक बनाना और तार्किक करना • मूल्यांकन पर जोर देना।

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्टर

Image Source : change.org

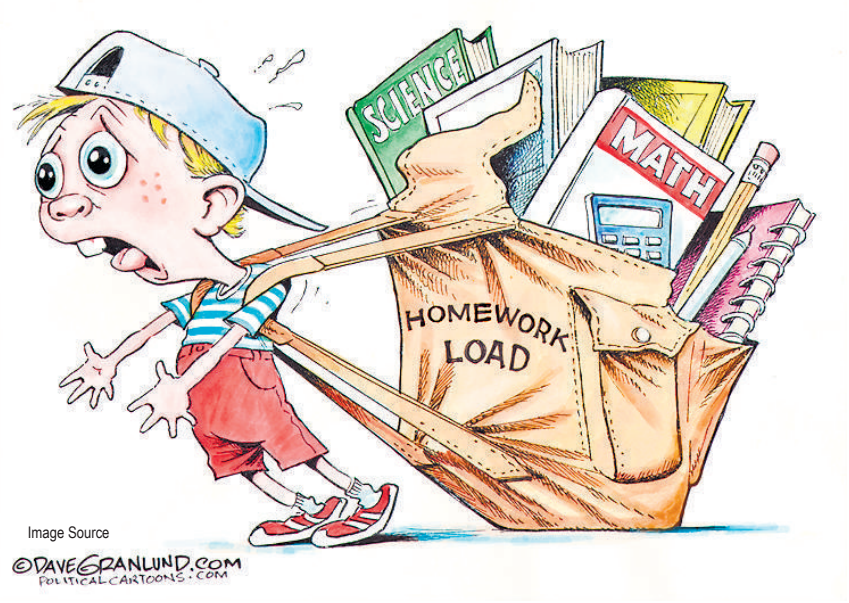

Image Source

कोरोना के कारण जहां पूरे विश्व में अलग-अलग देशों को आर्थिक और मानवीय नुकसान हुआ है वहीं इस बीमारी के कारण कई बजुर्गों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है।

दूसरी तरफ देश और विदेश में कोविड-19 के मद्देनजर लॉकडाउन लगाया गया और वहां की सरकारों ने समस्त स्कूल-कॉलेजों जैसे संस्थान भी बंद कर दिए जिसका गंभीर परिणाम अलग-अलग कक्षा में पढ़ रहे विद्यार्थियों पर देखने को मिला।

कोरोना महामारी में स्कूलों ने बच्चों को पढ़ाने के लिए ऑनलाइन माध्यम का सहारा लिया। जिसके तहत बच्चें लैपटाप, डेस्कटाप, टैब, मोबाइल आदि का सहारा लिया। लेकिन बीते दो साल उन पेरेंट्स के लिए काफी कठिन रहा जिनके बच्चें प्री प्राइमरी और प्राइमरी में पढ़ रहे थे। उन अभिभावकों को बच्चों को एक ही जगह पर घंटों तक बैठा कर रखना चुनौती साबित हुआ। इसका साइड इफेक्ट यह रहा कि मोबाइल आदि का घंटों लगातार इस्तेमाल के कारण बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों को भी चस्मा लग गया।

वहीं ऑनलाइन स्टडी होने के कारण बच्चों में कई विषय का ज्ञान अगली कक्षा में कम देखने को मिल रहा है। कई देशों ने बच्चों के लिए स्कूल संस्थाओं को खोल कर उन्हें वहीं जाकर पढ़ने के लिए इजाजत दे दी है। लेकिन बच्चे स्कूल खुलने के बाद जहां खेलकूद और अपने दोस्तों से मिल कर खुश हो रहे है वहीं उनके पिछली कक्षा में कॉन्सेप्ट्स क्लियर न होने के कारण उनमें कई विषयों की समझ विकसित नहीं हो पाई।

कई अभिवावकों का कहना है कि स्कूल में ज्यादातर अध्यापक क्लास में बच्चों का सिलेबस जल्दी खत्म करने पर ध्यान दे रहे हैं और इस बार हुई गर्मियों की छुट्टियों में उन्हें कई विषय में प्रोजेक्ट बनाने के लिए दिए गए थे जिसे बच्चों के लिए बनाना तो दूर उन्हें समझ पाना भी काफी मुश्किल भरा रहा। ऐसी स्तिथि में अभिवावक भी बच्चों पर दबाव बनता देख जुगाड़ का सहारा लिया ऐसे में अभिभावकों अपनी जेब भी ढीली करनी पड़ी जोकि निम्न वर्ग के अभिभावकों के लिए मुश्किल रहा और बच्चों का प्रोजेक्ट पर फोकस होने के कारण बाकी की पढ़ाई पर भी बुरा असर पड़ा।

गौरतलब है कि भारत में सन 2020 में देश के प्रधानमंत्री द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पुरानी शिक्षा प्रणाली को बदलकर बच्चों के लिए पहले चरण में प्री-प्राइमरी कक्षा से दूसरी कक्षा तक फॉउंडेशन स्टेज घोषित किया गया है जिसमें 5 वर्ष तक बच्चों को खेलकूद के साथ-साथ उनका ज्ञान भी दिया जाएगा और उनकी किसी भी तरह की परीक्षा नहीं होगी। फिर दूसरे चरण में प्री-प्रीपेट्री स्टेज जिसमें कक्षा 3 से लेकर 5 तक के बच्चों को रखा गया है। इसमें बच्चे मात्र भाषा के साथ स्थानीय भाषा में पढ़ाई और एग्जाम दे सकते हैं।

हालांकि अंग्रेजी माध्यम से पढ़ने वाले बच्चों के लिए ऑप्शन है और अंग्रेजी में पढ़ने के लिए उन्हें बाध्य नहीं रखा गया है। तीसरा चरण मिडल स्टेज जिसमें कक्षा 6वीं से 8वीं के विद्यार्थी शामिल हैं। इस कक्षा से कंप्यूटर ज्ञान के साथ कोडिंग की जानकारी दी जाएगी और उसके बाद विषय में रूचि अनुसार इंटर्नशिप भी करवाई जाएगी और आखरी चरण जिसे सेकेंडरी स्टेज भी कहा गया है। इसमें 9वीं से 12वीं तक के छात्र को शामिल किया गया है और इन्हें साल में एक बार परीक्षा देने की बजाय सेमेस्टर वाइज परीक्षा देना होगा। अब छात्र साइंस आर्ट्स या कॉमर्स के किसी विषय को भी पूल बनाकर ले सकते हैं

जहां सरकार द्वारा बच्चों पर पढ़ाई के साथ-साथ प्रैक्टिकल ट्रेनिंग देने की व्यवस्था की गई है वहीं कई स्कूल क्यों बच्चों को प्रोजेक्ट्स देकर और सिलेबस खत्म करने के चक्कर में उन्हें प्रैक्टिकल नॉलेज और स्किल से वंचित रख कर उन पर काम जल्दी खत्म करने के लिए दबाव बना रहे है। इन्हें भी पढ़ाने के पुराने ढर्रे से बाहर आकर बच्चों के समस्त विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

अब देखना होगा कि आने वाले समय में क्या नई शिक्षा नीति बच्चों पर होमवर्क का बोझ कम कर पाएगी।

थाईलैंड घूमने के लिए IRCTC लेकर आया है खास टूर पैकेज, बहुत सस्ते में हो जाएगी इंटरनेशनल ट्रिप

विदेश यात्रा करने के शौकीन लोगों के लिए IRCTC लेकर आया है एक अमेजिंग टूर पैकेज जिसमें सस्ते में आप थाईलैंड घूमने का मजा ले सकते हैं। यहां देखें पैकेज से जुड़ी सारी डिटेल्स...

• **जालंधर ब्रीज.** रिपोर्टर

अगर आपने भी विदेश घूमने का सपना देखा है, तो आइआरसीटीसी आपके लिए लेकर आया है बेहतरीन टूर पैकेज। आइआरसीटीसी ने दो टूर पैकेज शेयर किए हैं, जिसमें आप थाइलैंड की यात्रा कर सकते हैं।

खूबसूरती, प्राचीन मंदिरों, अमेजिंग फूड और जीवंत नाइटलाइफ के साथ, थाईलैंड वास्तव में एक आकर्षण डेस्टिनेशन है, जो दुनिया भर के लोगों को आकर्षित करता है। थाईलैंड में घूमने के लिए कुछ बेहतरीन जगह है। यहां देखें आइआरसीटीसी के इंटरनेशनल टूर पैकेज।

दो तरह के पैकेज

आइआरसीटीसी के दो टूर पैकेज हैं जिसमें से एक है 5 रात और 6 दिन का पैकेज जिसका नाम फुकेत क्राबी मिस्टिक आइलैंड पैकेज है, जो कोलकाता से है। वहीं दूसरा 4 रात 5 दिन का पैकेज है, जिसका नाम थाईलैंड के खजाने है। जो मुंबई से शुरू होगा।

पैकेज डिटेल्स

थाईलैंड के खजाने

यात्रा कार्यक्रम-मुंबई- बैंकॉक - पटाया - बैंकॉक - मुंबई

यात्रा मोड- फ्लाइट

तारीक- 06.09.2022 से 11.09.2022

07.10.2022 से 12.10.2022

टूर की कीमत - आप अपने मुताबिक इस पैकेज को चुन सकते हैं। कम्फर्ट के पैकेज की बतएं तो सिंगल ऑक्युपेसी 58,100 रुपये में है।

डबल ऑक्युपेसी 50,500 रुपये और ट्रिपल ऑक्युपेसी 50,500 रुपये में है। इसके अलावा बच्चे के पैकेज के कीमत अलग है।

फुकेत क्राबी मिस्टिक आइलैंड पैकेज

यात्रा मोड- फ्लाइट

तारीक- 15.10.2022 और दूसरा 20.10.2022

टूर की कीमत - आप अपने मुताबिक इस पैकेज को चुन सकते हैं। कम्फर्ट के पैकेज की बतएं तो सिंगल ऑक्युपेसी 66,620 रुपये में है। डबल ऑक्युपेसी 58,850 रुपये और ट्रिपल ऑक्युपेसी 58,850 रुपये में है। इसके अलावा बच्चे (चाइल्ड विद बेड) के लिए कीमत 55, 580 रुपये है वहीं बच्चे (चाइल्ड विदाउट बेड) के लिए कीमत 47, 260 रुपये है।

THILAND TOUR

CLOTHING SENSE+

मैक्सी ड्रेस के साथ स्टाइल करें ये फुटवेयर्स

आपको मौके के हिसाब से मैक्सी ड्रेस कैरी करनी चाहिए जैसे कैजुअल, ट्रिप या फ्रेंड्स के साथ गैदरिंग में आप सॉलिड कलर मैक्सी या फ्लोरल पैटर्न को चुन सकते हैं। वहीं, फुटवेयर भी सोच-समझकर सेलेक्ट करें...

मैक्सी ड्रेस काफी कम्फर्टेबल लगती है। वहीं, कम्फर्ट के अलावा यह स्टाइलिश भी लगती है। आप मैक्सी ड्रेस को कहीं भी पहन सकते हैं। कैजुअल लुक से लेकर पार्टी वेयर तक मैक्सी ड्रेस बहुत ही अच्छी लगती है। आपको मौके के हिसाब से मैक्सी ड्रेस कैरी करनी चाहिए जैसे कैजुअल, ट्रिप या फ्रेंड्स के साथ गैदरिंग में आप सॉलिड कलर मैक्सी या फ्लोरल पैटर्न को चुन सकते हैं। वहीं, पार्टी के लिए सीक्वेन, सैटिन पैटर्न वाली मैक्सी ड्रेसेस परफेक्ट ऑप्शन्स हैं। आज हम आपको बता रहे हैं कि आप मैक्सी ड्रेस के साथ कौन-से फुटवेयर पहन सकते हैं।

लॉफर्स : आपको अगर कम्फर्ट के साथ स्टाइल भी चाहिए, तो आप मैक्सी ड्रेस के साथ लॉफर्स पहन सकते हैं। बस, आपको याद रखना है कि लॉफर्स आपकी ड्रेस के साथ मैच करते हुए हो।

वेजेस : आपकी हाइट अगर कम है और आपको हाइट शो करनी है, तो आप वेजेस पहन सकते हैं। पैरों के लिए वेजेस हील बहुत आरामदायक होती हैं। वेजेस हील आपको चलते समय बैलेंस बनाने में हेल्पफुल रहेंगे।

बैली : बैली फुटवियर एक ही समय में कम्फर्टेबल, फैशनेबल और डेली यूज वाले होते हैं। आप बैलेरिनास के कई स्टाइल्स अपनी ड्रेस के हिसाब से पसंद कर सकते हैं। स्पार्कलिंग वाले फुटवियर भी पहन सकती हैं।

स्नीकर्स : आपका काम अगर भागदौड़ वाला है, तो आप मैक्सी ड्रेस को स्नीकर्स के साथ मैच कर सकते हैं। आपको लाइट, हैवी स्पोर्टी टाइप के कई स्नीकर्स मिल जाएंगे।

हील्स : आपको अगर पार्टी के मूड में हैं, तो मैक्सी ड्रेस के साथ हील्स पहन सकते हैं। यह आपके मैक्सी लुक को इनहैंस करने के लिए काफी है। आप ग्लॉसी पैटर्न हील्स ट्राई कर सकते हैं।

ऐसे बेल्ट लगाएंगे तो नजर आएंगे फिट, लुक नहीं होगा खराब

कई गर्ल्स को बेल्ट लगाने में काफी दिक्कत होती है। इसका सबसे बड़ा कारण होता है कि बेल्ट लगाने से पेट थोड़ा मोटा दिखने लगता है। इसकी वजह से लुक काफी खराब लगता है। ऐसे में अगर आप भी बेल्ट लगाने के हैक्स की तलाश में है, तो हम आपको बता रहे हैं कुछ हैक्स, जिससे न सिर्फ आप बेल्ट को आसानी से एडजेस्ट कर सकते हैं। इसके अलावा आप अगर बेल्ट के लिए कोई ऑप्शन या रिप्लेसमेंट की तलाश में हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

रिबन : जी हां, आपने सही पढ़ा। रिबन भी आपके ट्राउजर को होल्ड करने के लिए अच्छा ऑप्शन है। आपको चौड़ा सिल्क रिबन लगाना है, जिससे आपका पेट भी मोटा नहीं लगेगा और ट्राउजर भी फिट रहेगा।

मैटल बेल्ट : मेटल बेल्ट भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें आपको कई स्टाइलिश पैटर्न, डिजाइन मिलेंगे। आप अपनी ड्रेस के हिसाब से चेन वाली बेल्ट या मोतियों वाली बेल्ट खरीद सकती हैं।

बेल्ट को साइड में मोड़े : आपको बेल्ट को लगाकर इसके buckle को साइड की तरफ कर ट्विस्ट कर देना है। इससे पेट की सामने की तरफ आपको मोटा भाग नहीं दिखेगा।

कड़ी पत्ता का तड़का लगा कर बनाएं दाल, मिलेगा होटल वाला स्वाद

दोपहर के खाने में दाल हर घर में बनती है। इसे बनाने का सबका अपना स्टाइल है। यहां हम बता रहे हैं मारवाड़ी तरीके से दाल तड़का बनाने की आसान रेसिपी। सीखें इसे बनाने का तरीका।

दोपहर के खाने में दाल और चावल अधिकतर घरों में बनाए जाते हैं। हालांकि, दाल का तड़का हर घर में अलग तरह से लगाया जाता है। दाल में लगे तड़के की खुशबू पूरे घर में तो हो ही जाती है, साथ ही ये भूख को भी तेज कर देता है। भारतीय खाने में तड़का काफी खास होता है। हालांकि यह सिर्फ खाने का स्वाद ही नहीं बनाता बल्कि हेल्थ के लिहाज से भी इसके कई फायदे होते हैं। यूं तो हर दाल में अलग-अलग तड़का लगता है, लेकिन हम बता रहे हैं एक कॉमन तड़का बनाने के बारे में जिसमें आप कढ़ी पत्ते का इस्तेमाल कर सकते

हैं। मारवाड़ी दाल में इस तरह से ही तड़का बनाया जाता है।

तड़का के लिए चाहिए...

इसे बनाने के लिए फ्रेश कढ़ी पत्ता ले। इसके लिए प्याज, टमाटर, हरी मिर्च, धनिया को बारीक काट लें। इसी के साथ आपको दाल बनाने वाले मसाले और जीरा व राई की जरूरत होती है। अपनी पसंद की दाल को भिगोएं औप फिर तड़का तैयार करें।

कैसे बनाएं तड़का

तड़का बनाने के लिए घी गर्म करें और फिर इसमें राई, जीरा चटकाएं और फिर कढ़ी पत्ता डाल कर प्याज, टमाटर, हरी मिर्च डाल दें। अच्छे से भून लें और फिर इसमें थोड़ा सा पानी डाल लें। कुछ देर के लिए ढक दें और फिर पकने दें। अब तड़के को उबली हुई दाल में डाल दें। और दाल को अच्छे से उबाल लें। फिर हरा धनिया से गार्निश करें और सर्व करें। ये दाल चावल, रोटी दोनों के साथ ही अच्छी लगती है।

बच्चों का IQ लेवल बढ़ाने के लिए हर पेरेंट को फॉलो करने चाहिए ये बेसिक तरीके

ब्रेन टीजर और पजल्स आपके बच्चे के संज्ञानात्मक कौशल बढ़ाने का एक शानदार तरीका है। यह उन्हें बेहतर सीखने में मदद करता है, उन्हें चीजों को जानने की इच्छा होती है। यह बदले में जीवन के सभी क्षेत्रों में उनकी समस्या-समाधान क्षमताओं में सुधार करता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस तरह के मजेदार, दिमाग को चुनौती देने वाले खेल याददाश्त को बढ़ाते हैं और बच्चों में उच्च एकाग्रता शक्ति का निर्माण करते हैं। कुछ तरीकों से बच्चों का आईक्यू लेवल बढ़ा सकते हैं-

मेमोरी स्किल्स

मेमोरी को बढ़ाने के लिए मेमोरी एक्टिविटीज बहुत फायदेमंद होती है। इससे न सिर्फ याददाश्त में सुधार होता है यह लॉजिकल स्किल और लैंग्वेज स्किल को भी बढ़ा सकती हैं। इनमें आप बच्चों को ये गेम्स खेलने को दे सकते हैं।

-पहेली

-क्रॉसवर्ड पहेलियां

-कार्ड मैचिंग/कार्ड गेम्स

-सुडोकू

अपने बच्चों को न पढ़ें, उनके साथ पढ़ें

एक छोटा बच्चा है, जो पढ़ना सीख रहा है? जब आप किताब पढ़ रहे हो, तो उन्हें सिर्फ किताब देखने न दें बल्कि शब्दों पर भी ध्यान देना सिखाएं। उनके साथ पढ़ें, उनके साथ नहीं। शोध से पता चलता है कि यह उनके पढ़ने के कौशल को बनाने में मदद करता है।

बच्चों से सवाल पूछें

सवाल पूछने का मतलब यह नहीं है कि आप हमेशा बच्चों से जनरल नॉलेज के सवाल ही पूछें बल्कि आप छोटी-छोटी चीजें पूछ सकते हैं। ऐसे में आपको अंदाजा लगाने में आसानी रहेगी कि बच्चा आसपास की चीजों के बारे में क्या सोचता है।

बड़ा होकर क्या बनना चाहता है

आप बच्चों से पूछ सकते हैं कि वे बड़े होकर क्या बनना चाहते हैं। इसके बाद उनसे पूछे कि वे क्यों यही बनना चाहते हैं, इससे आपको अंदाजा हो जाएगा कि बच्चा किसी प्रोफेशन को किस तरह से देखता है और उसे क्यों पसंद करता है।

क्या बात परेशान करती है

बच्चों को अपने इमोशन्स के बारे में बताना भी सिखाएं। उनसे सवाल करें कि उन्हें क्या चीज पसंद नहीं है या किस बात से डर लगता है। ऐसे में उनके नेगेटिव इमोशन्स भी बाहर आएंगे, जिससे आप उन्हें सही से बातों को समझा पाएंगे।

करौंदा है पोषक तत्वों का भंडार, कैसे करना है इसका सही इस्तेमाल

HEALTH+

तेज खटास लिए हुए करौंदा चटनी और अचार के लिए खास है। पर क्या आप जानती हैं कि यह आपको मानसून में होने वाली कई समस्याओं से भी राहत दिलाता है।

लाल-सफेद और मरून कलर का करौंदा बारिश के मौसम में खूब मिलता है। एंटीऑक्सीडेंट, एनालजेसिक, एंटी इन्फ्लेमेटरी, लिवर प्रोटेक्टिंग, ब्लड शुगर लेवल घटाने वाले एंटी हाइपरग्लाइसेमिक और कोलेस्ट्रॉल घटाने वाले हाइपोलिपिडेमिक और वुंड हीलिंग प्रोपर्टी वाले करौंदे का सेवन बारिश के मौसम में जरूर करना चाहिए।

करौंदे में पाए जाने पोषक तत्व : इसमें विटामिन सी,आयरन, कैल्शियम और फास्फोरस भरपूर होता है। इसके साथ ही अल्केलॉयड्स, फ्लेवोनॉयड्स, सेपोनिन्स, ग्लाइकोसाइड्स, फीनॉलिक कंपाउंड्स, टेनिन्स, सेलिसाइलिक एसिड पाया जाता है। करौंदे के बीज में 10 प्रतिशत प्रोटीन, 22.4 प्रतिशत ऑयल और 72.7 प्रतिशत ओलिक एसिड भी पाया जाता है।

यहां हैं करौंदे के फायदे : आयुर्वेद और नेचुरोपैथ के अनुसार करौंदे का पत्ता, जड़ और फल सभी बहुत फायदेमंद होते हैं। करौंदे के नियमित प्रयोग से कई स्वास्थ्य समस्याएं ठीक होने में मदद मिलती है।

1 पैरों के फटने में राहत : बरसात के दिनों में पैर फटने या फंगस लगने की समस्या सबसे अधिक होती है। इसमें करौंदा राहत दिलाता है।

कैसे करें प्रयोग : नियमित रूप से करौंदे के बीजों को पीसकर पैरों में लगाने से फायदा मिलता है। कुछ दिनों में पैर फटने के कारण जो घाव बन जाते हैं, उसमें भी आराम मिलता है।

करौंदे के बीज को पीसकर तेल में पकाकर मलने से हाथ-पैर को मुलायम बनाता है।

2 बुखार, फ्लू में देता है राहत

बारिश के दिनों में संक्रमित होने की संभावना अधिक होती है। इसमें करौंदा की पत्ती लाभ पहुंचाती है।

कैसे करें प्रयोग : एक मुट्ठी करौंदा की पत्तियों को डेढ़ गिलास पानी के साथ उबालें।

आंच धीमी ही रखें।

उबालने पर जब आधा गिलास पानी जल जाए, तो छानकर काढ़ा पियें, राहत मिलेगी।

3 स्किन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं

बारिश के मौसम में स्किन पर फुंसी, खुजली की समस्याएं होती हैं। करौंदे में मौजूद विटामिन सी किसी भी प्रकार की स्किन प्रॉब्लम को ठीक कर देता है।

कैसे करें प्रयोग : करौंदे के पके फल को मिक्सी में पीस लें।

इसे फुंसी या खुजली के स्थान पर लगाएं। इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल तत्व राहत दिलाते हैं।

4 वजन घटाने में कारगर

यदि आप वेट लॉस की योजना बना रही हैं, तो अपने आहार में करौंदे को शामिल करें। इसमें फाइबर होता है, जिससे पेट काफी देर तक भरा महसूस होता है।

कैसे करें प्रयोग : एक मुट्ठी करौंदे को अपने ब्रेकफास्ट या फ्रूट टाइम में शामिल करें।

करौंदे के पत्ते को उबालकर पीने से भी वजन कम होता है।

5 डायबिटीज में भी है फायदेमंद

नागपुर यूनिवर्सिटी में हुई रिसर्च के अनुसार, एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बैक्टीरियल गुणों वाला करौंदा टाइप 2 डायबिटीज मरीजों के लिए बेहद फायदेमंद है।

कैसे करें प्रयोग : डायबिटीज पेशेंट करौंदे के फल को नियमित रूप से अपने आहार में शामिल करें।

करौंदा का कच्चा फल खा सकते हैं।

आप इसकी चटनी भी बना सकती हैं।

कम तेल-मसाले वाली करौंदे की सब्जी भी खा सकती हैं।

6 इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है

करौंदे का इस्तेमाल रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इससे बीमारियों से लड़ने की क्षमता का विकास होता है।

कैसे करें प्रयोग : कच्चा फल खाएं।

करौंदे की चटनी खाएं।

आपके स्वभाव के बारे में क्या कहती है आपकी हैंड राइटिंग

आपकी लिखावट के पीछे भी विज्ञान है, जो आपके व्यक्तित्व के बारे में बताता है। आपकी लिखावट का इस्तेमाल आपकी क्षमताओं और आपके स्वास्थ्य का विश्लेषण करने के लिए किया जाता है और यहां तक कि जांच के उद्देश्यों के लिए सबूत के रूप में भी काम करता है। दिलचस्प बात यह है कि आपकी लिखावट आपके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ बताती है। जिस तरह से आप किसी अक्षर को अलग तरीके से बनाते हैं। आइए, जानते हैं क्या कहता है आपका राइटिंग स्टाइल-

कैपिटल और स्मॉल लेटर्स : यदि आप बड़े आकार के लेटर्स लिखते हैं, तो आप एक ऐसे एक्ट्रोवर्ट व्यक्ति हो सकते हैं, जो दूसरों को खुश करने और उनके अनुसार कार्य करने की जरूरत महसूस करता है। आप चाहते हैं कि दूसरे आपको नोटिस करें। वहीं, अगर आप छोटे लेटर्स लिखते हैं, तो आप इंट्रोवर्ट होने की संभावना रखते हैं, जो आपके अपने स्थान पर रहना पसंद करता है। आप अपना ध्यान एक तरफ फोकस कर सकते हैं।

शब्दों के झुके होने का मतलब : अगर आपके शब्द दाहिनी ओर झुके हुए हैं, तो आप एक मिलनसार, खुशमिजाज व्यक्ति हैं। आप पल में जीना पसंद करते हैं और आप अपने करीबी लोगों को भी बहुत महत्व देते हैं। अगर आपके शब्द बाईं ओर झुके हुए हैं, तो आप ऐसे व्यक्ति हैं जो अकेले अपने आप पर बहुत ध्यान केंद्रित करते हैं। आप आमतौर पर निर्णय लेने से पहले दूसरों के बारे में नहीं सोचते हैं। अगर आपके शब्दों में कोई झुकाव नहीं है, तो आप एक बहुत ही तार्किक व्यक्ति हैं, जो निर्णय लेने के लिए भावनाओं पर निर्भर नहीं हैं।

किसी विशेष अक्षर का मतलब : पतला y का मतलब है कि आप दोस्त और साथी बनाते समय बहुत सोच-समझकर फैसला लेते हैं। ब्रॉड वाई का मतलब है कि आप बहुत मिलनसार हैं और आपके दोस्तों का एक बड़ा समूह है। लॉन्ग वाई आपके स्वतंत्रता, रोमांच और यात्रा के प्रति प्रेम को दर्शाता है। शॉर्ट वाई का मतलब है कि आप अपने कम्फर्ट जोन के आसपास, घर पर रहना पसंद करते हैं।

चीता संरक्षण के लिए एक साथ आए भारत और नामीबिया

भारत में चीता परियोजना को दोबारा शुरू करने का मुख्य उद्देश्य भारत में चीते की सामूहिक संख्या को कायम करना है। चीते की मौजूदगी दक्षिणी अफ्रीका (दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना और जिम्बाब्वे) में है, जहां वे प्रासंगिक पारिस्थितिकीय-जलवायु विविधता में रहते हैं। इसके मॉडल पर भारत में चीते के लिये स्थान बनाया जा रहा है।

• **जालंधर ब्रीज.** दिल्ली

भारत और नामीबिया ने वन्यजीव संरक्षण और सतत जैव-विविधता उपयोग संबंधी समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता-ज्ञापन में दोनों देशों के बीच वन्यजीव संरक्षण और सतत जैव-विविधता उपयोग पर जोर दिया गया है।

राष्ट्रीय संरक्षण और लोकाचार को मद्देनजर रखते हुए चीते का बहुत विशेष महत्व है। भारत में चीते की वापसी महत्वपूर्ण संरक्षण नतीजों में बराबर का महत्व रखती है। चीते की बहाली चीतों के मूल प्राकृतिक वास की बहाली में प्रतिमान का काम करेगी। यह उनकी जैव-विविधता के लिये महत्वपूर्ण है और इस तरह जैव-विविधता के क्षरण व उसमें तेजी से होने वाले नुकसान को रोकने में मदद मिलेगी।

समझौता-ज्ञापन में क्या है खास

- जैव-विविधता संरक्षण, जिसमें चीते के संरक्षण पर जोर दिया गया है। साथ ही चीते को उनके पुराने इलाके में दोबारा स्थापित करना है, जहां से वे विलुप्त हो गये हैं।
- दोनों देशों में चीते के संरक्षण को प्रोत्साहन देने के लक्ष्य के तहत विशेषज्ञता और क्षमताओं को साझा करना और उनका आदान-प्रदान करना।
- अच्छे तौर-तरीकों को साझा करके वन्यजीव संरक्षण और सतत जैव विविधता उपयोग।
- प्रौद्योगिकियों को अपनाने, वन्यजीव इलाकों में रहने वाले स्थानीय समुदायों के लिये आजीविका सृजन तथा जैव-विविधता के सतत प्रबंधन के मद्देनजर कारगर उपायों को साझा करने के माध्यम से वन्यजीव संरक्षण और सतत जैव-विविधता उपयोग को प्रोत्साहन।
- जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण सम्बन्धी शासन-विधि, पर्यावरण सम्बन्धी दुष्प्रभाव का मूल्यांकन, प्रदूषण और अपशिष्ट प्रबंधन व आपसी हितों के अन्य क्षेत्रों में सहयोग।
- जहां भी प्रासंगिक हो, वहां तकनीकी विशेषज्ञता सहित वन्यजीव प्रबंधन में कर्मियों के लिये प्रशिक्षण और शिक्षा के लिये आदान-प्रदान।

अन्य बड़े मांसाहारी जंतुओं में चीते के साथ मनुष्यों के हितों का टकराव बहुत कम है, क्योंकि चीता मनुष्यों के लिये खतरा नहीं है और वे आम तौर पर मवेशियों के बड़े रेवड़ों पर हमला नहीं करता। शिकारी पशुओं की सर्वोच्च प्रजाति में से चीते की वापसी से ऐतिहासिक विकासपरक संतुलन कायम होगा, जिसका इको-प्रणाली के विभिन्न स्तरों पर भारी प्रभाव पड़ेगा। इस तरह वन्यजीवों के प्राकृतिक वासों (घास के मैदान, झाड़ियों वाले मैदान और खुली वन इको-प्रणालियां) की बहाली और उनका बेहतर प्रबंधन संभव होगा। साथ ही उन पशुओं का भी संरक्षण करके उनकी संख्या बढ़ाई जायेगी, जिनका शिकार चीता करता है। इसी तरह चीते के इलाके में रहने वाली लुप्तप्राय प्रजातियों को भी बचाया जा सकेगा। दूसरी तरफ शिकार करने वाले बड़े से लेकर छोटे जंतुओं तक के क्रम में इको-प्रणाली के निचले स्तर पर, जहां छोटे जंतुओं का शिकार किया जाता है, वहां तक विविधता को कायम रखने तथा उसे बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत में चीता परियोजना को दोबारा शुरू करने का मुख्य उद्देश्य भारत में चीते की सामूहिक संख्या को कायम करना है। इससे चीता सर्वोच्च शिकारी जंतु के रूप में अपनी भूमिका निभायेगा और अपने ऐतिहासिक इलाके के भीतर उसके लिये जगह का विस्तार होगा। इस तरह वैश्विक संरक्षण प्रयासों में बड़ा योगदान होगा।

दस स्थलों के लिये सर्वेक्षण 2010 और 2012 के बीच किया गया था। भारत में चीते की संख्या को जिन सक्षम स्थानों में कायम करना है और जो इसके लिये फायदेमंद हैं, यह तय करने के लिये आईयूसीएन दिशा-निर्देशों का पालन किया गया, जिनमें जनसांख्यिकी, जेनेटिक्स, सामाजिक-आर्थिक टकराव और आजीविका के मद्देनजर प्रजातियों को ध्यान में रखा गया है। इन सबके आधार पर देखा गया कि मध्यप्रदेश का कूनो राष्ट्रीय उद्यान चीते के लिये सर्वाधिक उपयुक्त है। वहां प्रबंधन सम्बन्धी हस्तक्षेप न्यूनतम है, क्योंकि एशियाई शेरों को दोबारा कायम करने के लिये इस संरक्षित क्षेत्र में बहुत निवेश किया गया है।

चीते की मौजूदगी दक्षिणी अफ्रीका (दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, बोत्सवाना और जिम्बाब्वे) में है, जहां वे प्रासंगिक पारिस्थितिकीय-जलवायु विविधता में रहते हैं। इसके मॉडल पर भारत में चीते के लिये स्थान बनाया जा रहा है। इसके तहत चीते के लिये ऐसा माहौल तैयार किया जायेगा, जो उसके अधिक से अधिक अनुकूल हो। विश्लेषण से पता चलता है कि दक्षिणी अफ्रीका के जिस वातावरण में चीते रहते हैं, उसे देखते हुये भारत का कूनो राष्ट्रीय उद्यान उनके प्राकृतिक वास के लिये सर्वाधिक अनुकूल है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में चीते को स्थापित करने की कार्य-योजना आईयूसीएन के दिशा-निर्देशों के आधार पर विकसित की गई है। इसके तहत उस स्थान में शिकार की उपलब्धता का ध्यान रखा गया है। साथ ही अन्य मानकों के साथ यह भी ध्यान रखा गया है कि चीते के प्राकृतिक वास के लिये कूनो राष्ट्रीय उद्यान की क्षमता कितनी है। कूनो राष्ट्रीय उद्यान की वर्तमान क्षमता अधिकतम 21 चीतों की है। एक बड़ा इलाका बहाल हो जाने के बाद वहां 36 चीतों को रखा जा सकता है। शिकार किये जाने वाले जंतुओं की उपलब्धता बढ़ाकर कूनो वन्यजीव प्रखंड (1280 वर्ग किलोमीटर) का शेष हिस्सा भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

भारत में चीते को दोबारा स्थापित करने सम्बन्धी वित्तीय और प्रशासनिक समर्थन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एनटीसीए के जरिये करेगा। सरकार और कॉर्पोरेट एजेंसियों की भागीदारी कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के माध्यम से होगी। राज्य और केंद्रीय स्तर पर अतिरिक्त वित्तपोषण के लिये इन्हें प्रोत्साहित किया जायेगा। भारत वन्यजीव संस्थान, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मांसाहारी जंतु/चीता विशेषज्ञ/एजेंसियां कार्यक्रम के लिये तकनीकी जानकारी प्रदान करेंगी।

संकटग्रस्त 'मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र' के संरक्षण की जरूरत

• **जालंधर ब्रीज.** वर्ल्ड न्यूज

मैंग्रोव उष्ण-कटिबंधीय वृक्ष और झाड़ियाँ हैं, जो ज्वारीय क्षेत्रों में समुद्र के किनारे, लवणीय दलदल और कीचड़ भरे तटों पर पाये जाते हैं। जलवायु परिवर्तन का सामना करने, जैव विविधता की रक्षा, और सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के जोखिम को कम करने में मैंग्रोव अहम् भूमिका निभाते हैं। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र की मजबूत कड़ी होने के साथ-साथ पर्यावरण, अर्थव्यवस्था तथा समुदायों को लाभ पहुंचाने के लिए विख्यात मैंग्रोव विभिन्न मानवीय गतिविधियों के कारण आज स्वयं संकट में हैं।

जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन के एक अनुमान के मुताबिक दुनियाभर में करीब 67% मैंग्रोव आवास नष्ट हो चुके हैं, या फिर उनका क्षरण हो रहा है। सुंदरबन, भितरकनिका, पिचवरम, चोराओ और बाराटांग इत्यादि भारत के कुछ खूबसूरत मैंग्रोव क्षेत्रों के रूप में जाने जाते हैं, जो आज सबसे अधिक संकटग्रस्त मैंग्रोव पट्टियों में शामिल हैं।

मैंग्रोव दुनिया में पेड़ों की एकमात्र प्रजाति है, जो खारे पानी को सहन करने में सक्षम है। मैंग्रोव जैव-विविधता का एक अनूठा पारिस्थितिकी तंत्र है, जिसमें सैकड़ों मछलियाँ, सरीसृप, कीट, सूक्ष्मजीव, शैवाल, पक्षी और स्तनपायी प्रजातियाँ पायी जाती हैं। वे ज्वार की लहरों के अवशोषक के रूप में कार्य करते हैं, और अपनी उलझी हुई जड़ प्रणालियों के साथ तलछट को स्थिर करके मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करते हैं।

मैंग्रोव न केवल जीवों एवं पादप प्रजातियों को आवास प्रदान करते हैं, बल्कि उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए, तटीय समुदाय के लोगों के जीवन का समर्थन करने के साथ-साथ कार्बन सिंक के रूप में भी प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं। मैंग्रोव आवास क्षेत्र; उन्हें दुनिया के अधिकांश निम्न और मध्यम आय वाले देशों में विशेष रूप से महत्वपूर्ण बनाते हैं, जहाँ वे पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं और आजीविका की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं।

मैंग्रोव के महत्व को देखते हुए इसके संरक्षण की तीव्रता से आवश्यकता महसूस की जा रही है। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) मैंग्रोव की निगरानी, वैज्ञानिक अनुसंधान और सतत् उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए गहनता से कार्य कर रहा है। यूनेस्को द्वारा निर्दिष्ट साइटों, जैसे बायोस्फीयर रिजर्व, विश्व धरोहर स्थलों और ग्लोबल जियोपार्क में मैंग्रोव को शामिल करने से दुनियाभर में मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र से संबंधित ज्ञान, प्रबंधन और संरक्षण गतिविधियों में सुधार करने में योगदान मिलता है।

अन्नामलाई विश्वविद्यालय के मानद प्रोफेसर और यूजीसी-बीएसआर फैकल्टी फेलो के. काथिरेसन ने अत्यधिक दोहन, खराब प्रबंधन, बुनियादी ढांचे के उपयोग में वृद्धि, तेजी से बढ़ती जलीय कृषि और चावल की खेती को मैंग्रोव क्षेत्रों के संकटग्रस्त होने के कारणों के रूप में रेखांकित किया है। प्रोफेसर काथिरेसन मैंग्रोव की मैपिंग, और इस तरह सर्वाधिक उपयुक्त मैंग्रोव प्रजातियों का चयन करके, मैंग्रोव पट्टियों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर जोर देते हैं।

भारत में मैंग्रोव संरक्षण एवं संवर्द्धन की पहल सरकारी एवं गैर-सरकारी स्तरों पर की जा रही है। सरकार ने देश में वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रोत्साहन के साथ-साथ नियामक उपायों के माध्यम से कदम उठाए हैं। मैंग्रोव और प्रवाल भित्तियों के संरक्षण और प्रबंधन पर राष्ट्रीय तटीय मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत जागरूकता प्रसार के प्रयास किये जा रहे हैं। इसके तहत, सभी तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मैंग्रोव संरक्षण और प्रबंधन के लिए वार्षिक कार्ययोजना कार्यान्वित की जाती है। हाल में, भारत की जिन पाँच आर्द्रभूमियों को रामसर की अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि के रूप में मान्यता मिली है, उनमें तमिलनाडु का पिचवरम मैंग्रोव क्षेत्र शामिल है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय तटीय संसाधनों के संरक्षण के उद्देश्य से तीन राज्यों - गुजरात, ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटीय हिस्सों में एकीकृत तटीय क्षेत्र प्रबंधन परियोजना का संचालन कर रहा है, जिसकी गतिविधियों में मैंग्रोव का रोपण उल्लेखनीय रूप से शामिल है। इसके अलावा, महाराष्ट्र सरकार द्वारा मैंग्रोव संरक्षण के लिए समर्पित एक 'मैंग्रोव सेल' की स्थापना की गई है। मैंग्रोव और समुद्री जैव विविधता संरक्षण फाउंडेशन भी मैंग्रोव कवर को बढ़ाने और वन विभाग के तहत अनुसंधान और आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए बनाया गया है।

केरल के वेम्बनाड और कन्नूर क्षेत्रों में मैंग्रोव का संरक्षण और प्रबंधन, तटीय क्षेत्रों में रोपण के लिए कैसुरिना के पौधे और मैंग्रोव से जुड़ी प्रजातियों को जनता को वितरित किया जाता है। वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (WWF) द्वारा महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक समेत नौ तटीय राज्यों के नागरिकों को 'मैजिकल मैंग्रोव' अभियान के माध्यम से मैंग्रोव संरक्षण से जोड़ने की पहल की गई है। यह जानकारी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा कुछ समय पूर्व राज्य सभा में प्रदान की गई है।

जलीय प्रदूषण के अन्य स्रोतों के साथ-साथ तटीय क्षेत्रों में प्लास्टिक एवं अन्य कचरा जमा होने से भी मैंग्रोव वनों को नुकसान हुआ है। इस बात को पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने समझा है, और 75 दिनों तक चलने वाला अब तक का सबसे व्यापक समुद्र तटीय स्वच्छता अभियान शुरू किया है। 05 जुलाई को शुरू हुए 'स्वच्छ सागर - सुरक्षित सागर' नामक इस अभियान का औपचारिक समापन 17 सितंबर, 2022 को 'अंतरराष्ट्रीय तटीय स्वच्छता दिवस' के अवसर पर होगा।

स्वतंत्रता के 75वें वर्ष में भारत की 7500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा की सफाई के लिए शुरू किया गया 'स्वच्छ सागर - सुरक्षित सागर' अभियान नागरिकों की व्यापक भागीदारी के साथ संचालित किया जा रहा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अलावा, पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS), भारतीय तटरक्षक बल, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, सीमा जागरण मंच, एसएफडी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि, और अन्य सामाजिक संगठनों एवं शैक्षणिक संस्थानों की भागीदारी से यह अभियान संचालित किया जा रहा है। उम्मीद की जानी चाहिए कि जन-भागीदारी से तटीय स्वच्छता सुनिश्चित करने के साथ-साथ मैंग्रोव पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण में मदद मिल सकेगी।

अमित शाह ने चंडीगढ़ में 'नशीली दवाओं की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

2014 में जब नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने, तब से भारत सरकार ने ड्रग्स के ख़िलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति को अपनाया और धीरे-धीरे हम व्यवस्था में मौजूद कमियों को दूर करके ड्रग्स के ख़िलाफ़ लड़ाई को अभेद्य और द्रुत गति से चलने वाली लड़ाई बनाया।

उन्होंने कहा कि आज़ादी के बाद पहली बार एक स्पष्ट दिशा और तेज़ गति के साथ हम ड्रग्स के ख़िलाफ़ लड़ाई को आगे बढ़ाने में सफल हुए हैं, इसके परिणाम भी आए हैं। मादक पदार्थों का व्यक्ति, समाज, अर्थतंत्र और देश की सुरक्षा पर बुरा असर होता है इसीलिए इसे दृढ़ता के साथ मूल समेत उखाड़ना ज़रूरी है।

कोई भी स्वस्थ, समृद्ध, सक्षम और सुरक्षित राष्ट्र ड्रग्स तस्करी के ख़िलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति अपनाए बिना अपने उद्देश्य सिद्ध नहीं कर सकता है। ड्रग्स की तस्करी और प्रसार किसी भी समाज के लिए बहुत घातक होता है, ड्रग्स तस्करी के बाद जब उसका प्रसार समाज में होता है तो वो पीढ़ियों को खोखला कर देता है।

ड्रग्स के ख़िलाफ़ लड़ाई में गृह मंत्रालय बहुआयामी अप्रोच के साथ आगे बढ़ा है, कई एडमिनिस्ट्रेटिव रिफॉर्म्स किए हैं और नई पद्धतियां भी विकसित की हैं और राज्यों को इसके साथ जोड़ने के लिए प्रो-एक्टिव अप्रोच लिया है।

एन्कोर्ड के माध्यम से ज़िले तक किसी भी प्रकार की कहीं भी लूपहोल ना रहे, ऐसा एक समन्वय तंत्र बनाने का काम भी गृह मंत्रालय ने 2019 से किया है।

2006-2013 की तुलना में 2014-2022 के बीच पिछले 8 साल में लगभग 200 प्रतिशत ज्यादा मामले दर्ज़ किए गए हैं, गिरफ्तारियों की संख्या में 260 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

जब्त किए गए ड्रग्स की मात्रा दोगुने से अधिक हुई है, 2006 से 2013 के बीच 1.52 लाख किलोग्राम मादकपदार्थ ज़ब्त हुए थे जबकि 2014 से 2022 के बीच 3.3 लाख किलोग्राम ड्रग्स पकड़ी गई है।

2006 से 2013 तक 768 करोड़ रुपये का ड्रग्स पकड़ी गईं जबकि 2014 से 2021 के बीच 20 हज़ार करोड़ रुपये के ड्रग्स पकड़ कर उसे नष्ट करने का अभियान भारत सरकार चला रही है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जून से 15 अगस्त तक 75 दिन के ड्रग्स नष्ट करने का अभियान चल रहा है और लगभग 31000 किलोग्राम ड्रग्स को चार शहरों में जलाया गया है।

15 अगस्त को 75 दिन के अभियान की समाप्ति पर इसकी मात्रा एक लाख किलोग्राम पहुँच जाएगी जिसका अनुमानित काला बाज़ार मूल्य क़रीब 3000 करोड़ रुपये होगा।

एन्कोर्ड पोर्टल का भी शुभारंभ हुआ है, इस पोर्टल से देशभर की सभी एजेंसियाँ न केवल सूचना ले पाएँगी बल्कि यह एन्कोर्ड की बेस्ट प्रैक्टिसेज का एक्सचेंज होगा, इसके उपयोग से आने वाले समय पूरे देश में एक ही तरीक़े से नारकोटिक्स के खिलाफ लड़ाई में मदद मिलेगी। गृह मंत्रालय ने संस्थागत संरचना की मज़बूती के लिए त्रिस्तरीय फ़ार्मूला पर काम शुरू किया है, सभी नार्को एजेंसियों का सशक्तिकरण व समन्वय, विस्तृत जागरूकता अभियान और नशामुक्ति।

21 राज्यों ने एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का गठन भी किया है। दोहरे उपयोग वाली दवाइयों के दुरुपयोग को रोकने के लिए गृह मंत्रालय के इनिशिएटिव से स्वास्थ्य और समाज परिवार कल्याण मंत्रालय और रसायन मंत्रालय के साथ स्थाई अंतर मंत्रालाय समिति का गठन किया है। ड्रग्स और डार्क नेट पर लगाम लागने के लिए बहुत तेजी से काम करने की जरूरत है, डार्क वेब और क्रिप्टोकरंसी का व्यापार दोनों एक दूसरे के साथ जुड़ा हुए हैं, गृह मंत्रालय ने हाल ही में डार्क वेब और क्रिप्टो मुद्राओं पर एक टास्क फोर्स का गठन किया है।

एनसीबी और नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी के बीच एक समझौता हुआ है, इसके तहत किसी भी राज्य को मॉडर्न फॉरेंसिक लैब बनाने में नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी और एनसीबी उन्हे पूरा गाइड करेगी। पंजाब में ड्रग्स की समस्या ज्यादा है क्योंकि यह एक बॉर्डर का स्टेट है इसलिए यहां प्रयास भी ज्यादा करना पड़ेगा, अमृतसर में भी एक फॉरेंसिक लैब बनाया जाएगा, साथ ही एनसीबी का एक छोटा सेंटर भी खोला जाएगा जो ट्रेनिंग उपलब्ध करवाएगा।

अमित शाह ने कहा कि भारत सरकार ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में पंजाब के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है, पंजाब के युवाओं को नशे से बाहर निकालना है और इसके लिए पंजाब जो भी प्रयास करता है और पंजाब की नशे के खिलाफ जो भी लड़ाई है उसमें भारत सरकार मोदी जी के नेतृत्व में मजबूत सहयोग करेगी।

भारत सरकार ने 272 जिले और लगभग 80 हजार से ज्यादा गांव इंगित किए हैं जहां यह लड़ाई लड़नी है, हमारा काम है कि संकल्प के साथ हर व्यक्ति, हर एजेंसी अपने अपने कार्य क्षेत्र में इस लड़ाई को मजबूत से ले जाएं।

भारत सरकार ने 44 देशों के साथ नारकोटिक्स के लिए अलग-अलग समझौता ज्ञापन किए हैं और सूचनाओं का आदान प्रदान हो गया है।

गृह मंत्री ने कहा कि हमें राज्यों से बहुत अपेक्षाएं हैं, यह लड़ाई अकेले केंद्र सरकार नहीं लड़ सकती हैं, राज्य की लड़ाई लड़ने की गति केंद्र से दोगुना से ज्यादा होती हैं तभी जाकर परिणाम आता है और राज्य भी अकेला नहीं लड़ सकता है, हम सबको मिलकर इस लड़ाई को आगे ले जाना होगा।

ड्रग्स की बड़ी जब्ती के मामले में उन्होने राज्यों से अनुरोध किया कि इसको केंद्र- राज्य का मामला हम न बनाएं, जहां पर भी आपको लगता है कि यह मामला राज्य की सीमा के बाहर जाता है आप एनसीबी और एनआईए का सहयोग करें।

आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में मोदी जी ने कहा है कि अमृत महोत्सव से शताब्दी तक इस अमृतकाल में हम सभी संकल्प लें, सम्मेलन में गृह मंत्री ने सभी से अपील कि है कि हम सब भी संकल्प लें कि ड्रग्स से भारत की युवा पीढ़ी को पूर्णतया मुक्त कराएंगे और एक समृद्ध और नए भारत की रचना में अपना योगदान देंगे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने चंडीगढ़ में 'नशीली दवाओं की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री, पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल, पंजाब और हरियाणा के मुख्यमंत्री, केन्द्रीय गृह सचिव, निदेशक, NCB सहित BSF, NIA व NCB के अधिकारियों के साथ ही राज्यों के ANTF प्रमुख और NCORD सदस्य भी उपस्थित थे।

राघव चड्ढा ने की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात

*सरायों पर लगाए जीएसटी को वापस लेने की मांग की *पंजाब को भू-जल संकट से उबारने के लिए केंद्र सरकार से मांगा विशेष वित्तीय पैकेज

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने गुरुवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर पंजाब से संबंधित विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर अहम विचार-चर्चा की। उन्होंने वित्त मंत्री से स्वर्ण मंदिर के पास बनी सरायों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने के फैसले को तत्काल वापस लेने की मांग की। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए सांसद चड्ढा ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय मंत्री को एक ज्ञापन सौंपा है। जिस पर वित्त मंत्री ने आश्वासन देते कहा कि उनकी सभी मांगों पर गंभीरता के साथ विचार किया जाएगा।

राघव चड्ढा ने केंद्रीय मंत्री से किसानों के लिए विशेष वित्तीय पैकेज देने की भी मांग की। उन्होंने राज्य में तेजी से घटते भू-जल के मुद्दे को गंभीरता के साथ उठाते हुए कहा कि पंजाब और उसके किसानों को बचाने के लिए केंद्र सरकार को इस समस्या पर तुरन्त ध्यान देने की आवश्यकता है।

आप सांसद ने वित्तमंत्री को दिए अपने ज्ञापन में लिखा कि केंद्र सरकार द्वारा स्वर्ण मंदिर के पास बनी सरायों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने के फैसले से सिख धर्म के अनुयायियों और देश भर से श्री दरबार साहिब के दर्शन करने वाले भक्तों में भारी रोष पाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सभी भारतीय इक ओंकार (एक ईश्वर) पर विश्वास रखते हैं, उसी तरह पवित्र स्वर्ण मंदिर से भी लोगों की आस्था जुड़ी है। दुनिया भर से प्रतिदिन एक लाख से अधिक श्रद्धालु इस पवित्र स्थल के दर्शन करने आते हैं।

राघव चड्ढा ने कहा कि स्वर्ण मंदिर के आसपास बनी सरायों की तुलना किसी होटल से नही की जा सकती, क्योंकि इन्हें श्रद्धालुओं की सुविधा और सेवा की भावना से बनाया गया है। सरायों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय संगत पर अनावश्यक वित्तीय बोझ डालने के समान है। सरकार को अपना ये फैसला तुरंत वापस लेना चाहिए। सांसद चड्ढा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा सरायों से वसूला जाने वाला जीएसटी, पवित्र स्वर्ण मंदिर के दर्शन करने वाले प्रत्येक भक्त की आस्था से कभी भी बड़ा नहीं हो सकता। सरकार का यह कदम हमें मुगल काल की याद दिलाता है, जब औरंगजेब ने तीर्थ यात्रियों पर जजिया टैक्स लगाया था। पंजाब में भू-जल स्तर में भारी गिरावट का महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए राघव चड्ढा ने सरकार से पंजाब को तत्काल वित्तीय पैकेज देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पंजाब में घटते भू-जल स्तर की समस्या से उबारने के लिए केंद्र सरकार जल्द ही पंजाब को अतिरिक्त जल संसाधन दे।

राघव चड्ढा ने वित्तमंत्री को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा कि "पंजाब वह राज्य है जिसने 1960 और 1970 के दशक में जब पूरा देश अनाज की कमी से जूझ रहा था, तब देश को खाद्य उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया था। पंजाब ने हरित क्रांति का नेतृत्व किया और धान उगाने की पहल की जो कभी हमारे मुख्य आहार का हिस्सा नहीं था। धान की खेती के कारण राज्य के भू-जल स्तर में भारी कमी आई है। अब यह समस्या और गंभीर हो गई है, इसमें तत्काल हस्तक्षेप की आवश्यकता है। पंजाब और उसके किसान राष्ट्र के लिए खड़े हुए और संकट के समय में एक बड़ा बलिदान दिया।

राघव चड्ढा ने वित्तमंत्री को सौंपे अपने ज्ञापन में कहा कि आज केंद्र सरकार की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि वह राज्य को इस संकट से निपटने और सक्षम बनाने के लिए जल्द से जल्द वित्तीय पैकेज के रूप में सहायता प्रदान करे।

लम्पी स्किन्न बीमारी की रोकथाम के लिए मुख्यालय के वैटरनरी अफ़सर ज़िलों में तैनात

पशु पालन मंत्री भुल्लर ने अधिकारियों को क्षेत्रीय दौरे तेज़ करने के लिए कहा

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब के पशु पालन, मछली पालन और डेयरी विकास मंत्री स. लालजीत सिंह भुल्लर द्वारा पशुओं को हो रही लम्पी स्किन्न बीमारी की तुरंत रोकथाम के लिए मुख्यालय में तैनात अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से ज़्यादा प्रभावित ज़िलों में अस्थायी तौर पर तैनात किया गया है। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि बीमारी बढ़ने और अमले की कमी के सम्मुख पाँच ज़िलों में मुख्यालय के अधिकारी तैनात किये गए हैं। उन्होंने बताया कि वैटरनरी अधिकारी डॉ. प्रीति सिंह की अस्थायी ड्यूटी ज़िला शहीद भगत सिंह नगर, वैटरनरी अधिकारी डॉ. करण गोयल की ड्यूटी फ़ाज़िल्का, वैटरनरी अधिकारी डॉ. हरिन्दर सिंह की बरनाला, वैटरनरी अधिकारी डॉ. अनिल सेठी की बठिंडा और वैटरनरी अधिकारी डॉ. परमपाल सिंह की ड्यूटी श्री मुक्तसर साहिब में लगाई गई है, जो 31 अगस्त तक इन ज़िलों में हर स्थिति पर नज़र रखेंगे और बीमारी की रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। इन अधिकारियों को तुरंत अपने-अपने ज़िलों में उपस्थित होने की हिदायत की गई है।

ज़िलों के डिप्टी डायरैक्टरों को लिखित आदेश जारी करते हुए कहा कि वे अपने क्षेत्र के अधीन पड़ते समूह पशु संस्थानों सहित क्षेत्रीय दौरे तेज़ करें। अधिकारियों को दौरों के मौके कवर किये गए गाँवों, घरों और प्रभावित पशुओं की गिनती सम्बन्धी लिखित रिपोर्ट रोज़ाना दोपहर 3 बजे तक मुख्यालय को भेजना यकीनी बनाने की भी हिदायत की गई है।

सेहत संस्थाओं को साफ-सुथरा बनाने के भी किए जाएंगे प्रयत्न : डॉ. रमन शर्मा

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

जिले में लोगों को बेहतर सेहत सेवाएं देने के लिए सेहत विभाग जालंधर वचनबद्ध है और लोगों तक सेहत सेवाओं की पहुंच को आसान बनाने के लिए लगातार यत्नशील है। सिविल सर्जन डॉ. रमन शर्मा द्वारा गुरूवार को मिनी पीएचसी रंधावा मसंदा में आम लोगों की दी जा रही सेहत सेवाओं का जायजा लिया गया। इस दौरान उनके साथ जिला परिवार भलाई अफसर डॉ. रमन गुप्ता भी मौजूद थे। सिविल सर्जन डॉ. रमन शर्मा द्वारा मिनी पीएचसी रंधावा मसंदा का दौरा करने के उपरांत साफ-सफाई को देखते हुए सेहत स्टाफ के काम की सराहना की गई। उन्होंने कहा कि इससे और संस्थाओं को भी दिशा लेते हुए लोगों को बेहतर सेहत सेवाएं देने के साथ-साथ सफाई व्यवस्था के प्रति भी ध्यान देना चाहिए। इस संबंधी जिन सेहत संस्थाओं व सेहत स्टाफ द्वारा संभव यत्न किए जाएंगे, उनको सेहत विभाग के द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा।

पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ हमारी विरासत और राज्य के हकों के लिए समझौता नहीं किया जायेगा : मीत हेयर

राज्य सभा में केंद्रीय मंत्री के जवाब को मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की जीत बताया

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की तरफ से पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ के केंद्रीकरण की कोशिशों के ख़िलाफ़ शुरु की मुहिम को उस समय पर सफलता मिली जब राज्य सभा में केंद्रीय मंत्री की तरफ से यह बात कही गई कि केंद्र सरकार की तरफ से पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ का केंद्रीकरण नहीं किया जा रहा।

पंजाब, पंजाबी और पंजाबियत के मुद्दों पर राज्य सरकार की वचनबद्धता दोहराते हुये पंजाब के उच्च शिक्षा और भाषा मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने कहा, ''पंजाब यूनिवर्सिटी हमारी विरासत और इस पर हमारा हक है। पंजाब यूनिवर्सिटी केंद्रीकरण को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।'' उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की तरफ से पंजाब विधान सभा में पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ केंद्रीकरण के ख़िलाफ़ प्रस्ताव पास किया था। पंजाब सरकार की इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुये पंजाब से राज्य सभा मैंबर विक्रमजीत सिंह साहनी की तरफ से संसद के उच्च सदन में यह मामला उठाया जिस पर केंद्रीय मंत्री ने जवाब दिया कि पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ का केंद्रीकरण नहीं किया जा रहा है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियों का लिया गया जायजा

स्थानीय निकाय मंत्री लहराएगें 15 अगस्त को तिरंगा

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (ज) मेजर अमित सरीन और अतिरिक्त डिप्टी कमिशनर (विकास) वरिंदरपाल सिंह बाजवा ने गुरुवार को स्थानीय गुरु गोबिंद सिंह स्टेडियम में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लिया, जहां स्थानीय निकाय मंत्री डा. इंद्रबीर सिंह निज्जर राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। स्टेडियम में नागरिक और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के साथ बैठक में मेजर अमित सरीन ने संबंधित अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस समारोह को पूरी देशभक्ति की भावना के साथ मनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. अधिकारियों ने उस स्थान का भी दौरा किया जहां मुख्य मंच का बनाई जानी है और बैठक क्षेत्र के साथ ध्वजारोहण क्षेत्र का भी निरीक्षण किया ताकि समय पर आवश्यक प्रबंध किए जा सके।

जालंधर में दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे अधीन 97 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी : डिप्टी कमिशनर

• जालंधर ब्रीज.जालंधर

प्रशासन की तरफ से दिल्ली-कटरा एक्सप्रेस-वे के अधीन जांलधर में 97 प्रतिशत जमीन के कब्जे की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इसके अलावा जालंधर बाईपास योजना के अधीन 52 प्रतिशत भूमि पर कब्जा कर लिया गया है ताकि राष्ट्रीय महत्व की इन योजनाओं के शीघ्र निर्माण का मार्ग साफ किया जा सके।

एनएचएआई अध्यक्ष अलका उपाध्याय और मुख्य सचिव वी.के. जंजुआ ने विभिन्न राजमार्ग योजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए वीडियो कान्फ्रैंसिंग से आयोजित बैठक में भाग लेते हुए डिप्टी कमिशनर जसप्रीत सिंह ने कहा कि जालंधर में दिल्ली-कटरा एक्सप्रेसवे के अधीन अब तक 97 प्रतिशत जमीन जालंधर-2 में 98 प्रतिशत फिल्लौर में 100 प्रतिशत और नकोदर में 90 प्रतिशत (अमृतसर कनेक्टिविटी) और 100 प्रतिशत (मुख्य अलाईनमैंट) जबकि एनएच-70 और आदमपुर फ्लाईओवर योजनाओं के चौड़ीकरण के तहत 100 प्रतिशत जमीन पहले ही ली जा चुकी है। उन्होंने आगे बताया कि जालंधर बाईपास के तहत 52 प्रतिशत भूमि को कब्जे में ले लिया गया है जबकि अमृतसर-बठिंडा ग्रीनफील्ड बाईपास के लिए भी कब्जे की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को इन योजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए है ताकि योजनाओं का काम जल्द से जल्द शुरू किया जा सके।

संधवां के साथ उत्तर प्रदेश विधान सभा के स्पीकर ने की मुलाकात

यूपी के विकास में पंजाबियों के योगदान की भरपूर प्रशंसा

• जालंधर ब्रीज.चंडीगढ़

पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां के साथ आज उत्तर प्रदेश विधान सभा के स्पीकर सतीश महाना ने मुलाकात की। अनौपचारिक इस मुलाकात में सतीश महाना ने उत्तर प्रदेश के विकास में पंजाबियों द्वारा डाले योगदान की भरपूर प्रशंसा की। उन्होंने पंजाबियों की महमाननिवाज़ी की भी खुलकर तारीफ़ की।

पंजाबी मूल के सतीश महाना ने कहा कि पंजाबी कहीं भी बसता हो, उसकी रूह हमेशा पंजाब के साथ जुड़ी रहती है। उन्होंने पंजाबियों में मदद करने के जज़बे को भी सलाम किया। लगातार 8वीं बार विधायक बने सतीश महाना ने बहुत सी निजी तजुर्बे संधवां के साथ सांझा किये। महाना द्वारा दिए कई सुझाव संधवां ने पंजाब विधान सभा में भी लागू करने की हामी भरी।

इस मौके पर कुलतार सिंह संधवां ने सतीश महाना और उत्तर प्रदेश विधान सभा के प्रमुख सचिव पी. के. दुबे को यादगार चिन्ह देकर सम्मानित किया। मीटिंग के दौरान स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ेमाजरा और पंजाब विधान सभा के सचिव सुरिन्दर पाल भी उपस्थित थे।

सिंगल यूज प्लास्टिक बंद करने को आज से प्रदेश स्तर पर जागरुकता अभियान

स्वामी सर्वानंद गिरि रिजनल सैंटर पंजाब यूनिवर्सिटी में होगा जिला स्तरीय समागम, कैबिनेट मंत्री ब्रम शंकर जिंपा होंगे मुख्य मेहमान

• जालंधर ब्रीज.होशियारपुर

सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने के लिए प्रदेश स्तर पर 5 अगस्त को विशेष अभियान शुरु किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य एक बार प्रयोग में आने वाली प्लास्टिक को बंद करने के लिए जागरुकता फैलाना है। होशियारपुर में जिला स्तरीय समागम करवाया जा रहा है व इस प्रोग्राम को सफलातपूर्वक संपन्न करने के लिए आज डिप्टी कमिश्नर श्री संदीप हंस ने अलग-अलग विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। इस मौके पर अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर(सामान्य) अमित महाजन व एस.डी.एम. शिवराज सिंह बल भी मौजूद थे। बैठक के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने निर्देश देते हुए कहा कि सौंपी गई ड्यूटी पूरी तनदेही व मेहनत से निभाई जाए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय समागम स्वामी सर्वानंद गिरि रिजनल सैंटर पंजाब यूनिवर्सिटी में करवाया जा रहा है, जिसमें मुख्य मेहमाजन के तौर पर कैबिनेट मंत्री श्री ब्रम शंकर जिंपा शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि चुने हुए प्रतिनिधियों के अलावा एन.जी.ओज व्यापार मंडलों के प्रतिनिधि, विभागों के प्रमुख व अन्य अहम शख्सियतें इस समागम का हिस्सा बन रही हैं।

संदीप हंस ने सिंगल यूज प्लास्टिक संबंधी और जानकारी देते हुए बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक में स्ट्रिकस वाले ईयर बड्ज, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक की स्ट्रिकस, बैगज, आईसक्रीम व कैंडी स्ट्रिकस, सजावट के लिए पोलीस्ट्रीरीन(थर्मोकोल), प्लेटों, कप, ग्लास, कटलरी जैसे कि कांटे, चम्मच, पाइप, मिठाई के डिब्बे, निमंत्रण पत्र, सिगरेट के पैकेट के आस-पास लपेटे या पैकिंग करने वाली फिल्मे, 100 माईक्रोन से कम प्लास्टिक या पी.वी.सी. बैनर आदि शामिल है। उन्होंने बताया कि एक बार ही प्रयोग में आने वाले इस सिंगल यूज प्लास्टिक पर पूर्ण पाबंदी 1 जुलाई से लगाई जा चुकी है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि खरीदो-फरोख्त के दौरान लिफाफों का प्रयोग न करते हुए थैलों का प्रयोग यकीनी बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि वातावरण की शुद्धता बरकरार रखने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक की रोकथाम बहुत जरुरी है व अलग-अलग विभागों के अलावा एन.जी.ओज सहित हर व्यक्ति को आगे आने की जरुरत है। इस मौके पर एक्सियन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड श्री शिव कुमार, सहायक कमिश्नर नगर निगम श्री संदीप तिवाड़ी, जनरल मैनेजर जिला उद्योग केंद्र श्री अरुण कुमार, एस.डी.ओ. श्री जतिंदर कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

शहीद भगत सिंह हरियावल लहर के अधीन एक लाख पौधों की बाँट

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

पंजाब सरकार द्वारा ग्रीन पंजाब के लिए शुरू किए गए शहीद भगत सिंह हरियावल लहर तक, कपूरथला जिले में वन विभाग द्वारा 1 लाख पौधे बांटे जा चुके है। इसके तहत जहां सभी सरकारी स्कूलों में 10-10 फलदार पेड़ लगाए गए है, वहीं वातावरण संभाल के लिए 'त्रिवेणी' लगाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। 'त्रिवेणी' में नीम, पीपल और बरगद शामिल है, जो पर्यावरण को साफ करने में काफी मदद करते है।

डिप्टी कमिशनर विशेष सारंगल ने वन विभाग को इस अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए और विभागीय अधिकारियों को कहा कि स्थानीय पौधे और फलों के पेड़ लगाने पर ध्यान देने को कहा। इसके अलावा उन्होंने कहा कि पंचायतों, गैर सरकारी संगठनों, बागवानी विभाग, सामाजिक कार्यकर्ताओं और धार्मिक संगठनों से संपर्क कर उन्हें आंदोलन का हिस्सा बनाया जाए ताकि लोगों को इस अभियान में भागीदार बनाया जा सके। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कपूरथला जिले में 460 त्रिवेणी लगाने का लक्ष्य है जबकि कुल 2 लाख पौधे लगाए जाने है। उन्होंने कहा कि वन विभाग की ओर से लोगों को पौधे बिल्कुल मुफ्त मिल सकते है।

टी20 विश्व कप से पहले द. अफ्रीका व ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी टीम इंडिया, जानें पूरा शेड्यूल

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेली जाएगी तीन टी-20 मैचों की घरेलू श्रृंखला

मुंबई. भारत में क्रिकेट का जबरदस्त बोलबाला रहा है। भारत में क्रिकेट फैंस भी खूब हैं। भारतीय क्रिकेट टीम को इनसे खूब प्यार भी मिलता है। हमेशा टीम इंडिया किसी ना किसी देश के खिलाफ खेलती ही रहती है। इन सबके बीच टी20 विश्व कप से पहले भारत दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले खेलेगी। इसके लिए पूरा कार्यक्रम बीसीसीआई की ओर से जारी कर दिया गया है। वर्तमान में टीम इंडिया वेस्टइंडीज के दौरे पर है।

वेस्टइंडीज में टीम को पांच टी20 मैच खेलने हैं। फिलहाल टीम इंडिया 2-1 से आगे वेस्टइंडीज के बाद टीम इंडिया सीधे जिंबाब्वे पहुंचेगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन टी-20 मैचों की घरेलू श्रृंखला खेली जाएगी। पहला मुकाबला 20 सितंबर को पंजाब के मोहाली में खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला नागपुर में 23 सितंबर को खेला जाएगा जबकि तीसरा मुकाबला 25 सितंबर को हैदराबाद में होगा। टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत का यह अहम मुकाबला तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है।

भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम टीम टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पहला टी20 मुकाबला त्रिवेंद्रपुरम में 28 सितंबर को खेला जाएगा। दूसरा मुकाबला 2 अक्टूबर को गुवाहाटी में होगा। टी20 का तीसरा मुकाबला इंदौर में 4 अक्टूबर को खेला जाएगा। एकदिवसीय मुकाबले की बात करें तो पहला मैच लखनऊ में 6 अक्टूबर को होगा। दूसरा मुकाबला रांची में खेला जाएगा 9 अक्टूबर को जबकि 11 अक्टूबर को तीसरा मुकाबला दिल्ली में होगा।

डीसी ने पराली प्रबंधन के लिए पंजाब सरकार की सब्सिडी योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने को कहा

• जालंधर ब्रीज.कपूरथला

डिप्टी कमिशनर कपूरथला विशेष सारंगल ने किसानों को न्योता दिया है आगामी सीजन में पराली के उचित निपटारे के लिए सबसिडी वाले उपकरण प्राप्त करने की योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए कहा। उन्होंने कृषि एवं किसान कल्याण विभाग से इस संबंध में किसानों को सूचित करने के लिए गाँव स्तर पर कैंप आयोजित करने और किसानों को ऑनलाइन आवेदन करने में सहायता प्रदान करने के लिए भी कहा। बता दे कि किसान कृषि यंत्रों पर सब्सिडी के लिए 15 अगस्त तक आवेदन कर सकते है, जिसके तहत सरकार ने बिना जलाए पराली के भंडारण के लिए उपकरण और पराली के साथ गेहूं की बिजाई के लिए हैप्पी सीडर, सुपर सीडर, पैडी स्ट्रॉ चॉपर मलचर, जीरो ड्रिल, एमबी पलाओ, बेलर, रेक सुपर एसएमएस, रीपर कम बाईडर, रोटरी स्लेशर, क्रॉप रीपर आदि किसानों, पंचायतों, सहकारी समितियों और पंचायतों को दिए जाने है।

मुख्य कृषि अधिकारी डा. बलबीर चंद ने कहा कि दिए जाने वाले उपकरण, सब्सिडी और अन्य विवरण www.agrimachinerypb.com पर देखे जा सकते है। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट से डीलरों, निर्माताओं की सूची भी उपलब्ध है और यदि कोई किसान व्यक्तिगत रूप से आवेदन करना चाहता है, तो उसे अपना आधार कार्ड, बैंक खाते की जानकारी, रद्द किया गया चेक, जाति प्रमाण पत्र, फोटो और धान बेचने पर जे फार्म जरूर लगाए।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.